LOKMAT TIMES

AIIMS surpasses Mayo, GMCH in OPD visits

Over 4,000 patients treated in single day

LOKMAT NEWS NETWORK
NAGPUR

The All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) is gaining increasing trust from patients. In just five years, it has outpaced both Indira Gandhi Government Medical College (IGGMC) aka Mayo and Government Medical College and Hospital (GMCH) in patient numbers.

On Monday, the outpatient department (OPD) at AIIMS saw over 4,000 patients, a record high, while typically seeing between 3,000 and 3,500 on other days. However, this surge in patient numbers has resulted in 99% bed occupancy, creating difficulties for other patients.

Executive director, AIIMS Dr P P Joshi said, "The growing patient numbers reflect the trust people have in our services. We are committed to providing quality healthcare despite the challenges."

AIIMS began operations in 2018 as part of Nagpur GMCH, but it transitioned to its MIHAN facility for outpatient services in September 2019. By February 2020, the emergency department and wards were also opened. Initially catering to 200 to 300 patients, the OPD has now grown to over 4,000. "We have expanded our services across 34 different departments, which has attracted patients from Vidarbha and neighboring states due to our advanced treatments and complex surgeries," Dr. Joshi added.

On Monday, the OPD treated 4,018 patients, including 2,106 men and 1,907 women. The medicine department had the highest number of patients at 607, followed by orthopedics (401), dermatology (305), ophthalmology (303), and general surgery (293).

Despite the high patient volume, there is a pressing need for additional staff. "The rising patient numbers have highlighted a shortage of manpower, and we need to increase our bed capacity, which currently stands at 820," he noted.

लोकमत समाचार

एक दिन में चार हजार मरीजों का उपचार : 99 % बेड भरे

एम्स की ओपीडी में मेयो मेडिकल से ज्यादा मरीज

फाइल फोटो

2018 में हुई थी एम्स की शुरुआत, पहले 'ओपीडी', में मरीजों की संख्या 3000 से 3500 के आसपास थी

सोमवार को मरीजों की संख्या 4000 तक पहुंच गई

विदर्भ सहित मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना से भी मरीज यहां पहुंच रहे हैं मरीज

लोकमत समाचार सेवा

नागपुर: अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पर मरीजों का भरोसा बढ़ता जा रहा है. पांच वर्ष में संस्थान ने मरीजों की संख्या में मेयो मेडिकल को पीछे छोड़ दिया है. एम्स की 'ओपीडी', जो अन्य दिनों में 3000 से 3500 के आसपास थी, सोमवार को 4000 तक पहुंच गई. यह अब तक मरीजों की सबसे ज्यादा संख्या है. मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण यहां 99 फीसदी बेड भरे हुए हैं और अन्य मरीजों की परेशानी भी बढ़ गई है.

एम्स की शुरुआत 2018 में नागपुर में मेडिकल से हुई थी. सितंबर 2019 से, एम्स ने मिहान में अपनी इमारत से बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) के माध्यम से रुग्णसेवा शुरु कर दी. आपातकालीन विभाग वाला वार्ड फरवरी 2020 से शुरु हुआ. शुरुआत में 200 से 300 ओपीडी तक रहीं यह संख्या दिन-ब-दिन बढ़कर 3000 और अब 4000 तक पहुंच गई है.

34 विभिन्न विभागों से रोगी को देखभाल प्रदान की जा रही है. अत्याधुनिक इलाज, जटिल सर्जरी के कारण विदर्भ समेत आसपास के राज्यों से मरीजों की भीड़ बढ़ गई है. लेकिन मरीजों की संख्या की तुलना में मनुष्यबल कम हो रहा है. मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बेड की संख्या भी बढ़ानी होगी. वर्तमान में 820 बेड ही हैं.

एम्स में अब विदर्भ ही नहीं बल्कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना से भी मरीज आ रहे हैं. सोमवार को ओपीडी में इतनी अधिक संख्या में पहुंचे मरीज एम्स के प्रति लोगों का बढ़ा हुआ विश्वास है. यह गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने का एक प्रयास है.

डॉ. पी.पी. जोशी,
कार्यकारी निदेशक एम्स, नागपुर

सबसे ज्यादा मरीज मेडिसिन और ऑर्थोपेडिक विभाग में

सोमवार 23 सितंबर को एम्स की ओपीडी में 4 हजार 18 मरीजों ने इलाज कराया. पुरुषों की संख्या 2 हजार 106 तथा महिलाओं की संख्या 1 हजार 907 रही. मेडिसिन विभाग में सर्वाधिक 607, हड्डी रोग विभाग में 401, चर्म रोग विभाग में 305, नेत्र रोग विभाग में 303 तथा जनरल सर्जरी विभाग में 293 मरीजों का इलाज किया गया.